भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या : 3054
गुरुवार, 6 अगस्त, 2026/15 श्रावण, 1948 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

तमिलनाडु में विमानपत्तन अवसंरचना का विस्तार

3054. श्री जी. सेल्वमः
डॉ. रानी श्रीकुमारः
श्री सी. एन. अन्नादुरईः

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने तमिलनाडु में विमानपत्तनों का विस्तार, आधुनिकीकरण और क्षमता वृद्धि का कार्य शुरू किया है या शुरू करने का विचार है और यदि हां, तो इसका विमानपत्तन-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) नए टर्मिनलों, रनवे के विस्तार, यात्री सुविधाओं, कार्गो अवसंरचना और बेहतर विमान संपर्क सहित स्वीकृत या विचाराधीन परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है तथा इन्हें पूरा करने के लिए निर्धारित संभावित समयावधि क्या है;

(ग) इन विमानपत्तन विस्तार परियोजनाओं का तमिलनाडु में क्षेत्रीय संपर्क, पर्यटन, व्यापार, निवेश और रोजगार पर क्या प्रभाव पड़ने की संभावना है; और

(घ) राज्य भर में विमानन अवसंरचना को सुदृढ़ करने और विमान संपर्क को बढ़ावा देने के लिए आगे क्या उपाय प्रस्तावित हैं?

उत्तर
नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क) और (ख): मौजूदा हवाईअड्डों का उन्नयन, आधुनिकीकरण और क्षमता में वृद्धि सतत प्रक्रिया है और इसे भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) और अन्य हवाईअड्डा प्रचालकों द्वारा समय-समय पर यात्री माँग पूर्वानुमानों, परिचालन आवश्यकताओं, एयरलाइनों से माँग, भूमि की उपलब्धता, वित्तीय व्यवहार्यता, वैधानिक एवं विनियामक मंजूरियों और अन्य स्थल-विशिष्ट कारकों के आधार पर निष्पादित किया जाता है।

तमिलनाडु में हवाईअड्डों पर प्रमुख विस्तार और विकास कार्यों में शामिल हैं:

चेन्नै हवाईअड्डा: स्टोर्म वॉटर निकासी संशोधन (209.01 करोड़ रुपये), टर्मिनल-1 का नवीनीकरण (81.80 करोड़ रुपये) और एयरसाइड अवसंरचना विकास (480.06 करोड़ रुपये) के साथ यात्री प्रबंधन क्षमता को 30 मिलियन यात्री प्रति वर्ष (एमपीपीए) से 35 एमपीपीए तक बढ़ाने के लिए 2,467 करोड़ रुपये की लागत से चरण-II का आधुनिकीकरण कार्य।

तिरुचिरापल्ली हवाईअड्डा: 80.17 करोड़ रुपये की लागत से नए एटीसी टावर-सह-तकनीकी ब्लॉक का निर्माण।

कोयंबटूर हवाईअड्डा: 51.31 करोड़ रुपये की लागत से नव अधिग्रहित भूमि पर चारदीवारी का निर्माण और 13.71 करोड़ रुपये की लागत से मौजूदा टर्मिनल भवन में परिवर्धन एवं परिवर्तन।

हवाईअड्डा परियोजनाओं को पूर्ण करने की समय-सीमा भूमि अधिग्रहण, अनिवार्य मंजूरियों की उपलब्धता, वित्तीय समापन, आदि जैसे अनेक कारकों पर निर्भर करती है।

(ग) और (घ): अंतरराष्ट्रीय नागर विमानन संगठन (आईसीएओ) के 'नागर विमानन के आर्थिक लाभ: समृद्धि की लहरें' शीर्षक अध्ययन से पता चलता है कि हवाई संपर्क का आर्थिक गुणक 3.25 और रोजगार गुणक 6.1 होता है।

तमिलनाडु राज्य में, 'उड़ान' योजना के तहत सेलम हवाईअड्डे को विकसित और प्रचालनरत किया गया है, जबकि वेल्लोर और नेवेली हवाईअड्डों को विकसित किया जा रहा है। इस योजना के अगले चरण में तमिलनाडु सहित देशभर में 120 गंतव्यों को जोड़ने वाले 100 हवाईअड्डों का विकास कार्य शामिल है।

*****